



# राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, बुधवार, 6 सितम्बर, 2000/15 माघपद, 1922

हिमाचल प्रदेश सरकार

कार्यालय उपायुक्त, बिलासपुर, जिला बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश

अधिसूचनाएं

बिलासपुर, 29 अगस्त, 2000

संख्या बी० एल० पी०-पंच-6-6/95-II-3108-3123. —हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 (1994 का अधिनियम संख्यांक 4) की धारा 8 (1) से 8 (4) तथा हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (निर्वाचन) नियम, 1994 के नियम 28 के अनुरूप में, जगदीश चन्द्र शर्मा, उपायुक्त, बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश इस कार्यालय की अधिसूचना संख्या बी० एल० पी०-पंच-6-6/95-II-683-724 दिनांक 15-7-2000 के अनुक्रम में हिमाचल प्रदेश सरकार, पंचायती राज विभाग की अधिसूचना संख्या पी० सी० एच०- एच० ए० (4)-1/2000, दिनांक 3-8-2000 के अन्तर्गत विकास खण्ड घुमारवीं की ग्राम सभाओं के विभाजन/पुनर्गठन के फलस्वरूप नवगठित निम्न ग्राम

सभाओं की कार्यकारणी ग्राम पंचायतों के सदस्यों की संख्या (प्रधान व उप-प्रधान के अतिरिक्त) निर्धारित करता हूँ :—

क्र० सं०	ग्राम पंचायत का नाम	जनगणना 1991 के अनुसार जनसंख्या	आरक्षित स्थान					अनारक्षित स्थान	योग
			अनु० जाति	महिला अनु० जाति	अनु० जन जाति	महिला अनु० जन जाति	महिला सामान्य वर्ग		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1.	कूहमझवाड़	1691	1	1	—	—	1	4	7
2.	सरयूनखास (चलेहली)	1496	1	—	—	—	2	2	5
3.	हरलोग	1736	1	1	—	—	1	4	7
4.	तलयाणा	1978	1	1	—	—	1	4	7
5.	भलस्बाए	2227	1	1	—	—	1	4	7

बिलासपुर, 29 अगस्त, 2000

संख्या बीएलपी-पंच-6-6/95-II-3.24-3138.—हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 (1994 का अधिनियम संख्या 4) की धारा 8 (1) से 8 (4) तथा हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (निर्वाचन) नियम, 1994 के नियम 28 के अनुरूप में, जगदीश चन्द्र शर्मा, उपायुक्त, जिला बिलासपुर (हिमाचल प्रदेश), इस कार्यालय की अधिसूचना संख्या बीएलपी-पंच-6-6/95-II-725-64, दिनांक 15-7-2000 के अनुक्रम में हिमाचल प्रदेश सरकार, पंचायती राज विभाग की अधिसूचना संख्या पीसीएच-एच ए (4)-1/2000 दिनांक 2 तथा 3 अगस्त, 2000 के अन्तर्गत विकास खण्ड झंडुता की ग्राम सभाओं के विभाजन/पुनर्गठन के फलस्वरूप नवगठित निम्न ग्राम सभाओं की कार्यकारणी ग्राम पंचायतों के सदस्यों की संख्या (प्रधान व उप-प्रधान के अतिरिक्त) निर्धारित करता हूँ :—

क्र० सं०	ग्राम पंचायत का नाम	जनसंख्या जनगणना 1991 अनुसार	आरक्षित स्थान					अनारक्षित स्थान	योग
			अनु० जाति	महिला अनु० जाति	अनु० जन जाति	महिला अनु० जन जाति	महिला सामान्य		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1.	घंडीर	1485	1	—	—	—	2	2	5
2.	बल्हसीणा	1531	2	1	—	—	1	3	7
3.	सनिहरा	1467	1	—	1	1	1	1	5

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
4.	भड़ोलीकला	1253	1	—	—	—	2	2	5
5.	कलोल	2094	1	—	—	—	2	4	7
6.	डुडिया	986	1	1	1	—	1	1	5
7.	मुन्हाणी	2587	2	1	—	—	2	4	9

जगदीश चन्द्र शर्मा,  
उपायुक्त,  
जिला बिलामपुर (हि० प्र०)।

कार्यालय जिला पंचायत अधिकारी, सोलन, जिला सोलन, हिमाचल प्रदेश

कारण वनाग्री नोटिस

सोलन-173212, 11 अगस्त, 2000

सं० एस० एल० एन० (पंच) समलीग-3910-14.—क्योंकि श्रीमती कौशल्या देवी प्रधान, ग्राम पंचायत समलीग, विकास खण्ड कण्ठाघाट, जिला सोलन के विरुद्ध विकास खण्ड अधिकारी, कण्ठाघाट ने वास्तु श्री शंकरदयाल शर्मा सुपुत्र स्व० श्री सूरत राम; निवासी ग्राम मनडोल, डा० समलीग की शिकायत पर जांच करने उपरान्त जो रिपोर्ट प्रस्तुत की है उसमें उक्त प्रधान स्वीकृत की गई। योजना की राशि को छलहरण/दुरुपयोग तथा पेशगी के रूप में अपने पास रखने की दोषी पाई गई है।

1. यह कि योजना स्ट्रेडियम समलीग में निकाले गये कार्य हेतु मु० 60,000/- रुपये स्वीकृत हुए जिस में से मु० 54,000/- रुपये की राशि ग्राम पंचायत को दी गई थी परन्तु कार्य का मूल्यांकन मु० 48977/- रुपये आंका गया है जिसमें स्पष्ट होता है कि श्रीमती कौशल्या देवी प्रधान, ग्राम पंचायत समलीग मु० 5023/- रुपये की राशि को दुरुपयोग करने की दोषी पाई गई है।

2. यह कि ग्राम पंचायत की कार्यवाही का अवलोकन करने के उपरान्त पाया गया कि पंचायत में रोकड़ पृष्ठ 40 दिनांक 6-4-99 को जे० सी० सी० बैंक, माथरी से मु० 12000/- रुपये निकाले गये जिसका प्रस्ताव कार्यवाही में दर्ज नहीं किया गया तथा न ही व्यय राशि का पंचायत द्वारा अनुमोदन कराया गया। इसी प्रकार रोकड़ पृ० 41 से 76 पर वर्ज बैंक निकासी राशियों का अनुमोदन न करवाकर अनियमितता बरती है। रोकड़ वही व बाऊचर निरीक्षण उपरान्त पाया गया कि रोकड़ पृ० 51 पर दिनांक 17-8-1999 को निर्माण कार्य सामुदायिक केंद्र दशवला का मस्ट्रोल माह 7/99 मु० 6777/- रुपये का बिना सत्यापन के दर्ज है तथा इसमें क्र० सं० 3-4 पर दर्ज मजदूरों की उपस्थिति 3-7-1999, क्र० सं० 5 पर दर्ज मजदूरों को दिनांक 2-7-99 से तथा क्र० सं० 5 पर दर्ज मजदूर को 15-7-99 से उपस्थिति दिखा कर फर्जी मस्ट्रोल प्रस्तुत किया है। अतः उक्त प्रधान मु० 6777/- रुपये राशि छलहरण/दुरुपयोग करने की दोषी पाई गई है।

3. यह कि रोकड़ पृ० 59 दिनांक 30-10-99 को निर्माण कार्य निक रोड़ कपासू में भोली का मशीन द्वारा कार्य का व्यय क्रमशः 85,00 रुपये व 40,000 रुपये दर्ज है। श्री बीरेन्द्र सिंह जमवाल, निवासी माथरी को मु० 85,000/- रुपये दिनांक 30-10-99 को मु० 850/- रुपये प्रति घण्टों की दर से 100 घण्टों की दर के लिये दिए गए तथा 40,000/- रुपये 800/- रुपये प्रति घण्टे की दर में दिए गए एक ही दिन के भुगतान की रसीदों में मु० 50/- रुपये के रेट में अन्तर है, जिससे स्पष्ट होता है

कि अदायगी में मु० 5000/- रुपये की अधिक अदायगी करके उक्त प्रधान ने मु० 5000/- रुपये के छलहरण/दुरुपयोग करने की दोषी पाई गई।

4. यह कि रोकड़ पृ० 76 पर दिनांक 2-5-2000 की निर्माण कार्य पेयजल योजना थान के लिये 10 चूठे पत्थरों का व्यय मु० 10000/- रुपये दर्ज किया गया जबकि मापन पुस्तिका के मुताबिक मु० 3455 रुपये राशि का व्यय आंका गया है। निर्माण कार्यों के लिये सामग्री क्रय करते समय कोई भी कुटेशन नहीं ली गई और न ही ट्रक के सामान की पक्की रसीदें रखी गई है, एक ही दिन में चण्डीगढ़ व खारसी पुल से छः चक्कर दर्शाये गए हैं जो कि उचित प्रतीत नहीं होता। अतः स्पष्ट है कि उक्त निर्माण कार्य हेतु प्रधान द्वारा 6555/- रुपये राशि का छलहरण/गबन करने की दोषी पाई गई है।

उपरोक्त वर्णित तथ्यों से स्पष्ट है कि श्रीमती कौशल्या देवी प्रधान, ग्राम पंचायत ममलीग ने सरकारी धन राशि का दुरुपयोग/छलहरण में संलिप्त पाई गई है और इस प्रकार प्रधान अपने पद का दुरुपयोग करने और अपनी शक्तियों तथा कर्तव्यों को भली भांति न निभा पाने में दोषी पाई गई है जिसके फलस्वरूप उनके विरुद्ध हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 व उनके अन्तर्गत बने नियमों के अधीन कार्यवाही अमल में लाना आवश्यक है ताकि वह पंचायत के रिकार्ड में किसी प्रकार की छेड़छाड़ न कर सके तथा अपने पद व शक्तियों का दुरुपयोग न कर सकें।

अतः मैं, जय लाल कन्नाण, जिला पंचायत अधिकारी, सोलन, जिला सोलन, हिमाचल प्रदेश, पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 145 (2) तथा हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (सामान्य) नियम, 1997 के नियम 142 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्रीमती कौशल्या देवी प्रधान, ग्राम पंचायत ममलीग, विकास खण्ड कण्डाघाट, जिला सोलन को कारण बताओं नोटिस जारी करते हुए आदेश देता हूँ कि क्यों न उन्हें उक्त कृत्यों के लिये प्रधान पद से निलम्बित किया जाए। उनका उत्तर नोटिस जारी होने के 15 दिनों के भीतर भीतर, खण्ड विकास अधिकारी, कण्डाघाट के माध्यम से अधोहस्ताक्षरी को प्राप्त हो जाने चाहिए, अन्यथा यह समझा जायेगा कि वह अपने पक्ष में कुछ नहीं कहना चाहेंगे तथा उनके विरुद्ध एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

जय लाल कन्नाण;  
जिला पंचायत अधिकारी, सोलन, जिला सोलन,  
हिमाचल प्रदेश।